॥ ६ ॥ १ ॥ १ ० ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ फाल्गुनेकार्यारुतासःशीघमेष्यति॥ २५॥ नाशुद्धबाहुवीर्येणनारुतास्रेणवारणे॥ भीष्मद्रोणादयोयुद्धेशक्याःप्रतिसमासितुं ॥ २६॥ गृहीतास्रोगुडाकेशो महाबाहुर्महामनाः ॥ चृत्यवादित्रगीतानांदिव्यानांपारमीयिवान् ॥ २७॥ भवानपिविविक्तानितीर्थानिमनुजेश्वर॥ श्रात्विभःसहितःसवैद्रिष्टुमहत्यरिंदम ॥ २८॥ तीर्थेष्वापुत्यपुण्येषुविपाप्माविगतञ्वरः॥ राज्यंभोक्ष्यसिराजेंद्रसुखीविगतकल्मषः॥ २९॥ भवांश्चैनंद्विजश्रेष्ठपर्यटंतंमहीतलं॥ त्रातुमईतिवित्रा व्यतपोबलसमन्वितः॥३०॥गिरिदुर्गेषुचसदादेशोषुविषमेषुच॥वसंतिराक्षसारौद्रास्तेभ्योरक्षांविधास्यति॥३१॥ त्रागमेऽनिरुद्धत्वेनवेदेसूत्रात्मत्वेनचध्यव

त्हतंनारायणं ॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१ ॥ प्रबोध्योविद्याप्यः॥ २२॥ तेषांनिवातकबचानां प्रतिसमासनेसंक्षेपणे ॥ २३॥ २५॥ २५॥ २६॥ गुडाकेशोऽर्जुनः ॥ २७॥ २८ २९॥ ३०॥ ३०॥ ३०॥